CBSE Class 09 - Hindi A
Sample Paper 02 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

   जाति-प्रथा को यदि श्रम-विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित है। कुशल व्यक्ति या सक्षम श्रमिक-समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्ति की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपने पेशे या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण, जैसे माता-पिता के सामाजिक स्तर, के अनुसार पहले से ही अर्थात् गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

   जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण ही नहीं करती, बल्कि मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है, भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखे मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्रायः आती है, क्योंकि उद्योग-धंधे की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी-कभी अकस्मात परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो तो इसके लिए भूखे मरने के अलावा क्या चारा रह जाता है? हिंदू धर्म की जाति-प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत है। इस प्रकार पेशा-परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति-प्रथा भारत में बेरोज़गारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

   i. कुशल श्रमिक-समाज का निर्माण करने के लिए क्या आवश्यक है? **(2)**
   ii. जाति-प्रथा के सिद्धांत को दूषित क्यों कहा गया है? **(2)**
   iii. भारत में जाति-प्रथा बेरोज़गारी का एक प्रमुख कारण किस प्रकार बन जाती है? **(2)**
   iv. "जाति-प्रथा पेशे का न केवल दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण करती है, बल्कि मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे से बाँध देती है।"-कथन पर उदाहरण सहित टिप्पणी कीजिए। **(2)**
   v. गद्यांश में से 'इक' और 'इत' प्रत्ययों से बने शब्द छाँटकर लिखिए। **(1)**

vi. इस गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। **(1)**

खंड - ख (व्याकरण)

2. 'भुलक्कड़' शब्द में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।
    a. भुलक + ककड
    b. भुलक्क + ड
    c. भुला + अक्कड
    d. भूल + अक्कड
3. 'अतिरिक्त' शब्द में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए।
    a. अ + तिरिक्त
    b. अति + रिक्त
    c. अत + रिक्त
    d. अत्य + रिक्त
4. 'प्रत्यक्ष' शब्द में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए।
    a. प्रति + इक्ष
    b. प्रति + अक्ष
    c. प्रत + अक्ष
    d. प्रत्य + अक्ष
5. 'दार' प्रत्यय लगाकर दो शब्द बनाइए।
    a. गर्वदार, गरमदार
    b. प्यासदार, भूखदार
    c. पहरेदार, लेनदार
    d. शांतिदार, शोरदार
6. 'स्वर्ण जैसा कमल' समास विग्रह के लिए उचित समस्त पद व समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए।
    a. स्वर्णकमल - समस्त पद
       बहुव्रीहि समास - समास का नाम
    b. स्वर्णकमल - समस्त पद
       अव्ययीभाव समास - समास का नाम
    c. कमलस्वर्ण - समस्त पद
       द्विगु समास - समास का नाम
    d. स्वर्णकमल - समस्त पद
       कर्मधारय समास - समास का नाम
7. अनुज - अग्रज का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
    a. अनुज है जो अग्रज - समास विग्रह

कर्मधारय समास - समास का नाम

b. अनुज और अग्रज - समास विग्रह

द्विगु समास - समास का नाम

c. अनुज है जो अग्रज - समास विग्रह

बहुव्रीहि समास - समास का नाम

d. अनुज और अग्रज - समास विग्रह

द्वंद्व समास - समास का नाम

8. 'बेखटके' का उचित समास विग्रह और समास का नाम होगा -

a. बिना खटके के - समास विग्रह

कर्मधारय समास - समास का नाम

b. बिना खटके के - समास विग्रह

बहुव्रीहि समास - समास का नाम

c. बिना खटके के - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

d. बिना खटके के - समास विग्रह

द्विगु समास - समास का नाम

9. राजा - रंक शब्द का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

a. राजा और रंक - समास विग्रह

द्विगु समास - समास का नाम

b. राजा और रंक - समास विग्रह

द्वंद्व समास - समास का नाम

c. राजा और रंक - समास विग्रह

तत्पुरुष समास - समास का नाम

d. राजा और रंक - समास विग्रह

अव्ययीभाव समास - समास का नाम

10. अर्थ की दृष्टि से वाक्य के भेदों की संख्या _________ है।

a. आठ

b. दस

c. छह

d. सात

11. यदि छुट्टियाँ हुई, तो हम कश्मीर अवश्य जाएंगे। - अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताएं।

a. संदेहवाचक वाक्य

b. संकेतवाचक वाक्य

c. इच्छावाचक वाक्य

d. आज्ञावाचक वाक्य

12. अर्थ की दृष्टि से वाक्य-भेद बताइए - अरे ! इतनी लंबी रेलगाड़ी !

a. प्रश्नवाचक वाक्य

b. विस्मयादिवाचक वाक्य

c. इच्छावाचक वाक्य

d. निषेधवाचक वाक्य

13. मैं इक़बाल की पूरी कहानी नहीं सुनाऊँगा। - अर्थ के आधार पर वाक्य -भेद बताएं।

a. निषेधवाचक वाक्य

b. संकेतवाचक वाक्य

c. विस्मयादिवाचक वाक्य

d. आज्ञावाचक वाक्य

14. हनुमान की पूंछ में लगन न पाई आग, लंका सिगरी जल गई गए निशाचर भाग।

उपर्युक्त पंक्ति में कौन–सा अलंकार है?

a. रूपक

b. उपमा

c. उत्प्रेक्षा

d. अतिशयोक्ति

15. शब्दालंकार के प्रमुख कितने भेद हैं?

a. चार

b. दो

c. पाँच

d. तीन

16. निम्नलिखित पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए-

सुबरन को ढूंढ़त फिरै कवि, कामी अरु चोर

a. श्लेष

b. उत्प्रेक्षा

c. यमक

d. अनुप्रास

17. जहाँ निर्जीव पदार्थों का उल्लेख सजीव प्राणियों की तरह किया जाए कौन-सा अलंकार होता है ?

a. अतिशयोक्ति

b. मानवीकरण

c. उत्प्रेक्षा

d. यमक

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. **निम्नलिखित गद्यांशों और उनके नीचे दिए गए प्रश्नोत्तरों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-**

मोती दिल में ऐंठकर रह गया। गया आ पहुँचा और दोनों को पकड़ कर ले चला। कुशल हुई कि उसने इस वक्त मारपीट न की, नहीं तो मोती भी पलट पड़ता। उसके तेवर देखकर गया और उसके सहायक समझ गए कि इस वक्त टाले जाना ही मसलहत है।

आज दोनों के सामने फिर वही सूखा भूसा लाया गया। दोनों चुपचाप खड़े रहे। घर के लोग भोजन करने लगे। उस वक्त छोटी-सी लड़की दो रोटियाँ लिए निकली, और दोनों के मुँह में देकर चली गई। उस एक रोटी से इनकी भूख तो क्या शांत होती; पर दोनों के हृदय को मानो भोजन मिल गया।

प्रश्न-

i. मोती दिल में ऐंठकर क्यों रह गया?
ii. बैलों के प्रति गया और छोटी लड़की के व्यवहार में क्या अंतर था?
iii. मोती की क्रोधित मुद्रा का गया और उसके साथियों पर क्या असर हुआ?

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना दिया?
b. सुमति तिब्बतवासियों की धार्मिक आस्था का अनुचित लाभ किस तरह उठाते थे?
c. नेपाल से होकर तिब्बत जाने वाले रास्ते में जगह-जगह फौजी चौकियाँ क्यों बनी थीं?
d. 'स्वतंत्रता सहज नहीं मिलती, उसके लिए संघर्ष करना पड़ता है'- 'दो बैलों की कथा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
e. पंक्ति में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए- जिसे तुम घृणित समझाते हो, उसकी तरफ हाथ की नहीं, पाँव की अँगली से इशारा करते हो?

20. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

मोरपंखा सिर ऊपर राखिहौं, गुंज की माल गरें पहिरौंगी।
ओढ़ि पितंबर लै लकुटी बन गोधन ग्वारिन संग फिरौंगी।।
भावतो वोहि मेरो रसखानि सों तेरे कहे सब स्वाँग करौगी।
या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी।।

i. गोपी श्रीकृष्ण का रूप बनाने के लिए क्या-क्या करने को तैयार है।
ii. गोपी कृष्ण की मुरली होंठों पर क्यों नहीं रखना चाहती है?
iii. गोपी कृष्ण जैसा क्यों दिखना चाहती है?

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. माँझी और उतराई का प्रतीकार्थ समझाइए? यह माँझी कवयित्री को कहाँ पहुँचाता है?
b. कबीर के अनुसार हंस किसका प्रतीकार्थ है? वह अन्यत्र क्यों नहीं जाना चाहता है?
c. कवि ने कोयल को बावली क्यों कहा है?

d. कैदी और कोकिला कविता में अद्धरात्रि में कोयले की चीख से कवि को क्या अंदेशा है?

e. आपके विचार से कवि पशु, पक्षी और पहाड़ के रूप में भी कृष्ण का सान्निध्य क्यों प्राप्त करना चाहता है?

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

a. बच्चे काम पर जा रहे हैं कविता के आधार पर बताइए तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में ऐसा प्रश्न कवि कब और क्यों करता है?

b. चोर से कहाँ गलती हुई कि सारा अनुमान लगाकर घुसने पर भी वह पकड़ा गया? मेरे संग की औरतें पाठ के आधार पर लिखिए।

c. क्या गोपाल प्रसाद लड़के-लड़कियों को समान दृष्टि से देखता है? स्पष्ट करें।

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:

a. **भारत में बाल मज़दूरी की समस्या** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- बाल मज़दूरी का अर्थ
- बाल मज़दूरी के कारण
- बाल मज़दूरी को दूर करने के उपाय

b. **ट्रैफिक जाम में फंसा मैं** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- ट्रैफिक की समस्या का आधार
- लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी
- सुधार उपाय

c. **इंटरनेट का जीवन में उपयोग** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- इंटरनेट क्या है?
- लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक
- उपयोग के सुझाव

24. आपका छोटा भाई विद्यालय से अकसर अनुपस्थित रहता है, इससे उसकी परीक्षा की तैयारी अधूरी रह जाती है। छोटे भाई को नियमित उपस्थित रहने तथा परीक्षा में अच्छे ग्रेड/अंक लाने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए।

OR

आपके मुहल्ले में सफाई कर्मचारी नियमित रूप से नहीं आते हैं। इरादे जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं। सफाई की अव्यवस्था की ओर ध्यान दिलाने हेतु सफाई अधिकारी को पत्र लिखिए।

25. देश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर मोहित और राहुल दो मित्रों के बीच होने वाले संवाद को लिखिए।

OR

दूरदर्शन के कार्यक्रमों को गुणवत्ता पर पिता-पुत्र के बीच होने वाले संवाद को लिखिए।

26. **बाल मजदूरी** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

मैं और मेरी लेखनी विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 09 - Hindi A
Sample Paper 02 (2020-21)

Solution

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. i. कुशल या सक्षम श्रमिक-समाज का निर्माण करने के लिए आवश्यक है कि हम जातीय जड़ता को त्यागकर प्रत्येक व्यक्ति को इस सीमा तक विकसित एवं स्वतंत्र करें, जिससे वह अपनी कुशलता के अनुसार कार्य का चुनाव स्वयं करे। यदि श्रमिकों को मनचाहा कार्य मिले तो कुशल श्रमिक-समाज का निर्माण स्वाभाविक है।
   ii. जाति-प्रथा का सिद्धांत इसलिए दूषित कहा गया है, क्योंकि वह व्यक्ति की क्षमता या रुचि के अनुसार उसके चुनाव पर आधारित नहीं है। वह पूरी तरह माता-पिता की जाति पर ही अवलंबित और निर्भर है।
   iii. उद्योग-धंधों की प्रक्रिया और तकनीक में निरंतर विकास और परिवर्तन हो रहा है, जिसके कारण व्यक्ति को अपना पेशा बदलने की जरूरत पड़ सकती है। यदि वह ऐसा न कर पाए तो उसके लिए भूखे मरने के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं रह पाता।
   iv. जाति-प्रथा व्यक्ति की क्षमता, रुचि और इसके चुनाव पर निर्भर न होकर, गर्भाधान के समय से ही, व्यक्ति की जाति का पूर्वनिर्धारण कर देती है, जैसे-धोबी, कुम्हार, सुनार आदि।
   v. स्वाभाविक, आधारित।
   vi. जाति प्रथा

खंड - ख (व्याकरण)

2. (d) भूल + अक्कड

   Explanation: 'भुलक्कड़' शब्द में 'भूल' मूल शब्द है और 'अक्कड' प्रत्यय है।
3. (b) अति + रिक्त

   Explanation: 'अतिरिक्त' शब्द में 'अति' उपसर्ग है और 'रिक्त' मूल शब्द है।
4. (b) प्रति + अक्ष

   Explanation: प्रत्यक्ष - शब्द में प्रति उपसर्ग है और अक्ष मूल शब्द है।
5. (c) पहरेदार, लेनदार

   Explanation: 'पहरेदार' और 'लेनदार' शब्द में क्रमशः 'पहरा' और 'लेना' मूल शब्द हैं। दोनों में ही 'दार' प्रत्यय लगा हुआ है।
6. (d) स्वर्णकमल - समस्त पद

   कर्मधारय समास - समास का नाम

   Explanation: यहाँ पूर्वपद विशेषण और उत्तरपद विशेष्य होने के कारण कर्मधारय समास है।
7. (d) अनुज और अग्रज - समास विग्रह

   द्वंद्व समास - समास का नाम

Explanation: यहाँ दोनों ही पद प्रधान होने के कारण द्वंद्व समास है।

8. (c) बिना खटके के - समास विग्रह

   अव्ययीभाव समास - समास का नाम

   Explanation: 'बेखटके' में पूर्वपद 'बे' अव्यय होने के कारण अव्ययीभाव समास है।

9. (b) राजा और रंक - समास विग्रह

   द्वंद्व समास - समास का नाम

   Explanation: दोनों ही पद प्रधान होने के कारण यहाँ द्वंद्व समास है।

10. (a) आठ

    Explanation: अर्थ के आधार पर वाक्य के 8 (आठ) भेद हैं ।

11. (b) संकेतवाचक वाक्य

    Explanation: एक क्रिया के दूसरी क्रिया पर निर्भर होने के कारण संकेतवाचक वाक्य है।

12. (b) विस्मयादिवाचक वाक्य

    Explanation: प्रस्तुत वाक्य में विस्मय/आश्चर्य का भाव व्यक्त हुआ है।

13. (a) निषेधवाचक वाक्य

    Explanation: प्रस्तुत वाक्य निषेधवाचक वाक्य है।

14. (d) अतिशयोक्ति

    Explanation: अतिशयोक्ति अलंकार I स्पष्टीकरण - उपर्युक्त पंक्ति में बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया गया है कि हनुमान की पूंछ में आग लगने से पहले ही लंका जल गई और राक्षस भाग गए।

15. (d) तीन

    Explanation: शब्दालंकार के प्रमुख तीन भेद हैं -अनुप्रास ,यमक और श्लेष I

16. (a) श्लेष

    Explanation: श्लेषI स्पष्टीकरण - उपर्युक्त पंक्ति में सुबरन के तीन अर्थ हैं - कवि(अच्छे शब्द),कामी(सून्दर रंग-रूप) तथा चोर (सोना-चांदी) , अत: यहाँ ‘श्लेष’ अलंकार है।

17. (b) मानवीकरण

    Explanation: मानवीकरण अलंकार I जैसे- संध्या-सुंदरी उतर रही है।

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. i. हीरा की नाक पर डंडे पड़ते देख मोती को गुस्सा आ गया। वह हल लेकर भागा, जिससे जुआ, जोत, रस्सी सब टूट गए। वह गया की पकड़ से दूर भाग जाना चाहता था पर लंबी रस्सियों के कारण पकड़ा गया। वह गया और उसके साथियों को सींग मारकर उन्हें मज़ा चखाना चाहता था परंतु सहनशील हीरा ने उसे ऐसा करने से रोक दिया। वह अपने मित्र के खिलाफ नहीं जाना चाहता था इसलिए चाहकर भी कुछ नहीं कर पा रहा था। अतः वह मन में ही ऐंठकर रह गया।

    ii. हीरा-मोती के प्रति गया का व्यवहार अच्छा न था। वह सारे दिन उनसे बड़ी ही निर्दयतापूर्वक मार-मार कर काम लेता था और उन्हें मोटी रस्सियों में बाँधकर रखता था। खाने के लिए उन्हें सूखा भूसा देता था। इसके विपरीत छोटी लड़की बैलों से अत्यधिक आत्मीयता रखती थी। सबके सो जाने पर वह दो रोटियाँ लेकर आती और प्रेम से चुपचाप उन्हें खिलाकर

चली जाती ।

iii. मोती की क्रोधित मुद्रा के कारण गया और उसके साथियों पर ये असर हुआ कि वे समझ गए थे कि अब यदि उन्होंने बैलों की पिटाई की तो वे दोनों ही पलट कर वार कर देंगे।

19. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. बचपन में खेल-खेल में सालिम अली की एअरगन से नीले कंठवाली एक गौरैया घायल होकर गिर पड़ी। घायल गोरैया को देख उनका मन द्रवित हो गया। इस घटना ने उनके जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्होंने अपना सारा जीवन पक्षियों की सुरक्षा और सेवा के लिए समर्पित कर दिया |

b. सुमति बौध गया से लाए हुए गंडे अपने यजमानों के घर जाकर देते थे | इसके बदले उन्हें दक्षिणा मिलती थी | जब वहाँ से लाए गए गंडे समाप्त हो जाते थे तो वे अपने पास से उसी रंग का कपड़ा लेकर उसके गंडे बनाकर अपने यजमानों में बाँटते थे। इस तरह वे उनकी धार्मिक आस्था का अनुचित लाभ उठाते थे।

c. नेपाल से होकर तिब्बत जाने के लिए पहले यही मुख्य मार्ग हुआ करता था। भारत की वस्तुएँ यहीं से तिब्बत भेजी जाती थीं। उन दिनों भारतवासियों को तिब्बत जाने की अनुमति नहीं थी। यह व्यापार के साथ-साथ सैनिक रास्ता भी था, इसलिए इस रास्ते पर जगह-जगह फौजी चौकियाँ बनी थीं।

d. यह सही है कि स्वतंत्रता सहज नहीं मिलती बल्कि इसे पाने के लिए परिश्रम करना पड़ता है | पाठ को पढ़ने से ज्ञात होता है कि अपनी खोई आजादी को हासिल करने के लिए हीरा-मोती को लंबी लड़ाई लड़नी पड़ती है | ऐसा करने में उनकी जान जोखिम में पड़ जाती है | गया के घर से भागना, दुबारा भागने पर पकड़ा जाना, फिर भागना, साँड़ से लड़ाई करना, कांजीहौस में बंदी होना, हफ्तों भूखे-प्यासे रहना, बधिक के हाथों नीलाम होना और अंत में मुक्ति पाने से लगता है कि स्वतंत्रता के लिए लंबी लड़ाई लड़नी पड़ती है। संघर्ष करने पर ही स्वतंत्रता की प्राप्ति होती है |

e. प्रेमचंद ने सामाजिक बुराइयों तरफ कभी आंख उठाकर भी नहीं देखा | उन्होंने कभी उनसे समझौता नहीं किया | वे सामाजिक बुराइयों को इतना घृणित समझते थे कि उनकी तरफ हाथ से इशारा भी नहीं करते थे इसलिए उन्होंने लोगों को सावधान करने के लिए उनकी तरफ पैर की अंगुली से इशारा किया |

20. i. गोपी श्रीकृष्ण का रूप बनाने के लिए कृष्ण के समान ही सिर पर मोर पंख का मुकुट धारण करना चाहती है , गले में गुंज की माला और शरीर पर पीला वस्त्र पहन कर गोधन गाते हुए श्री कृष्ण के समान ही लाठी धारण कर गायों को चराने जाना चाहते हैं |

ii. श्री कृष्ण मुरली से असीम प्रेम करते हैं। वे गोपियों को भूलकर मुरली को अपने होंठों से लगाए रखते हैं इसलिए गोपियाँ सोचती हैं कि इसी मुरली के कारण, वे श्रीकृष्ण का सामीप्य पाने से वंचित हो जाती हैं। । इसी ईर्ष्या के कारण गोपी मुरली को अपने होंठों पर नहीं रखना चाहती है।

iii. गोपी कृष्ण से अनन्य प्रेम तथा भक्ति करती है। वह श्रीकृष्ण का रूप धारण कर कृष्णमय हो जाना चाहती है, इसलिए वह श्री कृष्ण जैसा दिखना चाहती है।

21. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

a. कवयित्री ने अपने वाख में 'माँझी' और 'उतराई' शब्दों का प्रयोग किया है, जिनका क्रमशः प्रतीकार्थ है-उसका प्रभु तथा सद्‌कर्म और भक्ति। यह माँझी (कवयित्री का प्रभु) उसे भवसागर के पार ले जाता है तथा मुक्ति प्रदान करता है।

b. हंस जीवात्मा का प्रतीक है | वह स्वच्छ विचाररूपी जल में मन रुपी सरोवर में आनंद रुपी मोती चुगता हुआ विचरण कर

रहा है | इस आनंदायक स्थान को छोड़कर वह अन्ताग्र जाना नहीं चाहता |

c. कोयल हो या अन्य पक्षी, उनके कलरव करने का समय दिन या शाम का होता है , रात नहीं। कवि कल्पना करता है कि कोयल भी अंग्रेज़ों के अत्याचार तथा जेल में बंद क्रांतिकारियों की दशा से बहुत दुखी है। उससे यह दुख और नहीं सहा गया इसलिए वह अपने स्वर के माध्यम से असमय अर्धरात्रि में लोगों के मन में संघर्ष की भावना जगाने के लिए चिल्ला रही है इसलिए कोयल की असमय वेदनापूर्ण आवाज सुनकर कवि ने उसे बावली कहा है।

d. अर्धरात्रि में कोयल की चीख सुनकर कवि अंदेशा लगाता है कि-

   i. शायद कोयल बावली हो गई है जो अर्धरात्रि में इस प्रकार चीख रही है।

   ii. जेल में बंद कैदियों को देखकर कोयल द्रवित हो गई होगी।

   iii. उसने देश में अंग्रेज़ों के प्रति फैली क्रांति की ज्वाला को देख लिया होगा।

   iv. वह जेल में बंद स्वाधीनता सेनानियों के लिए विशेष संदेश लेकर आई होगी।

e. मेरे विचार से कवि पशु, पक्षी और पहाड़ के रूप में भी कृष्ण का सान्निध्य इसलिए पाना चाहता है क्योंकि वह श्रीकृष्ण का अनन्य भक्त है। वह हर जन्म में, हर रूप में अपने इष्ट देव श्रीकृष्ण का सामीप्य पाना चाहता है। वह ब्रजभूमि के पशु, पक्षी और पहाड़ में श्रीकृष्ण की निकटता महसूस करता है। उसे लगता है कि इन वस्तुओं के रूप में श्रीकृष्ण का सान्निध्य पाने से उसका जन्म सार्थक बन जाएगा।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 3 के उत्तर दीजिये:

a. 'तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में?' यह प्रश्न कवि तब करता है जब वह बहुत छोटे-छोटे बच्चों को काम पर जाने को विवश पाता है। ये बच्चों के खेलने और पढ़ने के दिन हैं। क्या किताबें, खिलौने, गेंदें विद्यालय आदि नष्ट हो गए हैं? यदि हाँ तो दुनिया में जीने के लायक कुछ भी नहीं बचा है। पर दुःख तो इस बात का है कि सब कुछ यथावत है फिर भी बच्चे काम पर जा रहे हैं।

b. किसी शादी के सिलसिले में घर के पुरुष दूसरे गाँव में गए थे और औरतें रतजगा कर रही थीं। नाच-गाना जारी था और ढोलक पर थाप पूँज रहे थे। इसी बीच चोर ने उस कमरे का अनुमान लगाया होगा और दीवार काटकर कमरे में घुस आया। इधर शादी में नाच-गाने के शोर से बचने के लिए माँ जी अपना कमरा छोड़ कर दूसरे कमरे में सो गई थी। इसी कमरे को खाली समझकर चोर घुस आया था। उसके कदमों की आहट होते ही दादी की नींद खुल गई। इस तरह तमाम अनुमान लगाकर घुसने के बाद भी चोर पकड़ा गया।

c. गोपाल प्रसाद की सोच समाज के लिए हितकर नहीं है। वह लड़के तथा लड़कियों को समान दृष्टि से नहीं तरह-तरह के तर्क देकर लड़के-लड़कियों में अंतर बताकर दूसरों को उकसाता है। उसका मानना है कि लड़कों को पढ़ना-लिखना चाहिए, काबिल बनना चाहिए जबकि लड़कियों को पढ़ना-लिखना आवश्यक नहीं है क्योंकि उन्हें घर ही तो चलाना है। अपनी बात के प्रमाण में वह कहता है कि मोर के पंख होते हैं, मोरनी के नहीं, शेर के बाल होते हैं, शेरनी के नहीं।

खंड - घ (लेखन)

23. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिये:

a. 'बाल मज़दूरी' से तात्पर्य ऐसी मज़दूरी से है, जिसके अंतर्गत 5 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चे किसी संस्थान में कार्य करते हैं। जिस आयु में उन बच्चों को शिक्षा मिलनी चाहिए, उस आयु में वे किसी दुकान रेस्टोरेंट पटाखे की फैक्टरी, हीरे तराशने की फैक्टरी, शीशे का सामान बनाने वाली फैक्टरी आदि में काम करते हैं।

भारत जैसे विकासशील देश में बाल मज़दूरी के अनेक कारण हैं। अशिक्षित व्यक्ति शिक्षा का महत्त्व न समझ पाने के कारण अपने बच्चों को मज़दूरी करने के लिए भेज देते हैं। जनसंख्या वृद्धि बाल मज़दूरी का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। निर्धन परिवार के सदस्य पेट भरने के लिए छोटे-छोटे बच्चों को काम पर भेज देते हैं।

भारत में बाल मज़दूरी को गंभीरता से नहीं लिए जाने के कारण इसे प्रोत्साहन मिलता है। देश में कार्य कर रही सरकारी, गैर-सरकारी और निजी संस्थाओं की इस समस्या के प्रति गंभीरता दिखाई नहीं देती। बाल मज़दूरी की समस्या का समाधान करने के लिए सरकार कड़े कानून बना सकती है। समाज के निर्धन वर्ग को शिक्षा प्रदान करके बाल मज़दूरी को प्रतिबंधित किया जा सकता है। जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण कर भी बाल मज़दूरी को नियंत्रित किया जा सकता है। ऐसी संस्थाओं को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए, जो बाल मज़दूरी का विरोध करती हैं या बाल मज़दूरी करने वाले बच्चों के लिए शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम चलाती हैं।

b. **ट्रैफिक की समस्या का आधार-** विज्ञान ने आज हमारी जीवन शैली को पूरी तरह बदल दिया है विज्ञान के आविष्कारों में से एक महत्त्वपूर्ण आविष्कार है यातायात के साधन, जिससे हम मीलों की दूरी कूछ ही समय में सहजता से पूरी कर लेते हैं जिसे पूरा करने में प्राचीन समय में महीनों लग जाते थे। वर्तमान समय में अधिकांश लोगों के पास अपने निजी वाहन कार, मोटरसाइकिल, स्कूटर आदि हैं जो सड़कों पर जाम की दिनों -दिन बढ़ती समस्या का सबसे बड़ा कारण हैं।

लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी- आज हर व्यक्ति जल्दी में नजर आता है और इसी जल्दबाज़ी के कारण सड़क पर जाम लग जाता है। बाइक, कार-सवार अपनी लेन में चलने के स्थान पर दूसरे को ओवर टेक करते हैं तथा ट्रैफिक पुलिस के द्वारा सख्ती से अपने कर्तव्य पालन न करने के कारण इसे बढ़ावा मिलता है।

सुधार के उपाय- ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्ति पाने के लिए सरकार को ट्रैफिक के कड़े नियम बनाने चाहिए तथा सख्ती से उन्हें लागू करना चाहिए। इसके साथ ट्रैफिक के नियमों के बारे में लोगों को जागरूक करना चाहिए। सभी के सम्मिलित प्रयासों से ही इस समस्या से निजात मिल सकता है।

c. **इंटरनेट क्या है?** - आधुनिक युग सूचना प्रोद्यौगिकी का युग है। आज का विश्व विज्ञान के दृढ़ स्तम्भ पर टिका है। विज्ञान ने मनुष्य को अनेक शक्तियाँ, सुख-सुविधाएँ तथा क्रान्तिकारी उपकरण दिए हैं, जिनमें इन्टरनेट एक अत्यधिक महत्वपूर्ण, बलशाली एवं गतिशील सूचना का माध्यम है। सन् 1986 में इन्टरनेट का आरम्भ हुआ था। यह अनेक कम्प्यूटरों का एक जाल है, जिसके सहयोग से आज का मनुष्य विश्व के किसी भी भाग से किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त कर सकता है।

लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक - इंटरनेट से सारी दुनिया हमारी मुट्ठी में आ गई है। बस, एक बटन दबाइए सब कुछ क्षण भर में आँखों के सामने उपस्थित हो जाता है। इसने दुनिया के सभी लोगों को जोड़ दिया है। ज्ञान के क्षेत्र में अद्भुत क्रान्ति आ गई है। ज्ञान, विज्ञान, खेल, शिक्षा, संगीत, कला, फिल्म, चिकित्सा आदि सबकी जानकारी इंटरनेट से उपलब्ध है। इससे देश-विदेश के समाचार, मौसम, खेल सम्बन्धी ताजा जानकारी प्राप्त होती हैं। इन्टरनेट से विज्ञान, व्यवसाय व शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कार्य होने लगे हैं, जिससे समाज में बेरोजगारी समाप्त हो सकती है।

उपयोग के सुझाव - इंटरनेट सभी के लिए उपयोगी है लेकिन इसका प्रयोग करते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है जिससे हमारा डाटा सुरक्षित रह सकता है। इसका दुरुपयोग होने से भी बचाया जा सकता है। जल्दबाजी करने से हमारी सूचना व धन किसी दूसरे के पास पहुँच सकते हैं। अतः हमें इंटरनेट का प्रयोग करते समय अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए।

24. बी- 5/420

शान्ति निकेतन, नई दिल्ली।
02 मार्च, 2019
प्रिय बसंत,
शुभाशीष।
आशा करता हूँ कि तुम स्वस्थ एवं प्रसन्न होगे। यहाँ हम सभी सकुशल हैं। तुम्हारे कक्षाध्यापक का पत्र मिला, जिसमें उन्होंने लिखा था कि तुम विद्यालय से अकसर अनुपस्थित रहते हो। तुम विद्यालय में उपस्थिति को महत्त्वहीन समझ रहे हो, इसी संबंध में सलाह देते हुए पत्र लिख रहा हूँ।
अनुज, जब से तुम नौवीं कक्षा में आए हो और तुम्हारे नए मित्र बने हैं, तब से उनकी संगति में पड़कर विद्यालय में तुम्हारी उपस्थिति कम हुई है। नौवीं की पढ़ाई ही दसवीं में अच्छा ग्रेड लाने के लिए आधार का कार्य करती है। नौवीं कक्षा से ही पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। इसके लिए कक्षा में उपस्थिति अनिवार्य है। हर विषय को ध्यान से पढ़ो और विषय अध्यापक से अपनी पढ़ाई संबंधी समस्याओं का निराकरण करो। कक्षा में उपस्थित रहकर नियमित पढ़ाई की योजना बना लो। आशा करता हूँ कि अब तुम कक्षा में नियमित उपस्थित रहोगे। मेरा स्नेह और आशीर्वाद तुम्हारे साथ है। शेष सब ठीक है।
पत्रोत्तर शीघ्र देना।
तुम्हारा अग्रज,
विनोद

OR

A-756
हरी पार्क, रिठाला, दिल्ली।
27 फरवरी, 2019
स्वास्थ्य अधिकारी महोदय,
सिविल लाइंस क्षेत्र (दि.न.नि.)
16 राजपुर रोड, दिल्ली।
विषय- क्षेत्र में सफाई की अव्यवस्था के संबंध में
मान्यवर,
मैं आपका ध्यान अपनी कॉलोनी हरी पार्क की सफाई की बदहाल स्थिति की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। यहाँ जगह-जगह पर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। गत सप्ताह साफ की गई नालियों का कीचड़ सूखकर सड़क पर फैला हुआ है। यहाँ सफाई कर्मचारी सप्ताह में एकाध बार आते हैं। वे जल्दी जाने के चक्कर में अपना काम आधा-अधूरा छोड़ जाते हैं। समय से कूड़े के ढेर नहीं उठाए जाते हैं। नियमित सफाई न होने के कारण नालियों का पानी सड़क पर बदबू मार रहा है। मच्छर और मक्खियों की अधिकता के कारण क्षेत्र में बीमारी फैलने की संभावना बढ़ गई है।
अतः आपसे विनम्र प्रार्थना है कि इस क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों को नियमित रूप से भेजकर सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराने की कृपा करें। हम क्षेत्रवासी आपके आभारी रहेंगे।
धन्यवाद सहित।

भवदीय,

गिरीश कुमार

25. मोहित-अरे राहुल! क्या बात है ? इतने उदास क्यों लग रहे हो ?

राहुल-क्या बताऊँ मोहित देश में भ्रष्टाचार तो कुकुरमुत्ते की भांति फैलता ही जा रहा है ।

मोहित - राहुल तुम सच कह रहे हो। भ्रष्टाचार के कारण आज हमारा जीना हराम हो गया है।

राहुल - क्या बात है, मोहित, तुम तो मेरी बात सुनकर कुछ ज्यादा ही परेशान हो गए हो | कुछ हुआ है क्या?

मोहित - एक बात है राहुल, तुम बताओ क्या तुम भ्रष्टाचार से त्रस्त नहीं हो? क्या तुम्हारा सबकुछ ठीक-ठाक चल रहा है?

राहुल - नहीं, यार! ठीक-ठाक क्या चलेगा? बस अपना काम तो कर ही लेता हूँ।

मोहित - क्या? तुम अपना काम कैसे निकालते हो? क्या तुम भी अपना काम निकालने के लिए भ्रष्टाचारियों को बढ़ावा देते हो।

राहुल - मज़बूरी है यार क्या करूँ?

मोहित - ठीक है तो मेरी तुम्हारी दोस्ती समाप्त! मैं भ्रष्टाचारियों के साथ नहीं रह सकता।

राहुल - नहीं यार, मैं सबकुछ छोड़ दूँगा तुम्हें नहीं छोड़ सकता! आज से मैं किसी को भी रिश्वत नहीं दूँगा।

OR

पिता - बेटे, तुम क्या कर रहे हो ? तुम्हारी पढाई हो गई ?

पुत्र - हाँ पिताजी, बस अब मनोरंजन के लिए दूरदर्शन देख रहा हूँ |

पिता - ठीक है बेटा, पर आजकल दूरदर्शन पर कार्यक्रमों की होड़ में अच्छे-बुरे का ध्यान नहीं रह गया है।

पुत्र - हाँ, पिताजी! आप सच कह रहे हैं, पर सभी कार्यक्रम ऐसे नहीं हैं। इनमें से कुछ अच्छे भी हैं और ज्ञानवर्धक भी हैं |

पिता - हो सकता है।

पुत्र - पिता जी! पर आजकल फ़िल्मी कार्यक्रमों की तो बाढ़-सी आ गई है।

पिता - इन फिल्मी कार्यकर्मो के कारण ही लाखों-करोड़ो विद्यार्थियों को हानि हो रही है।

पुत्र - हाँ, पिताजी मैं आपसे शत प्रतिशत सहमत हूँ।

26. **बाल मजदूरी**

एक दिन सुबह-सुबह की बात है, जब मैं स्कूल जा रहा था। मैंने देखा कि एक लगभग हमारी उम्र का ही बच्चा सुबह-सुबह सड़कों पर कचरा उठा रहा था। उसके पास जाकर मैंने उससे पूछा कि तुम ये क्या कर रहे हो, क्या तुम्हें स्कूल नहीं जाना है? उसने कहा कि वो स्कूल नहीं जा सकता, क्योंकि उसके पास उतने पैसे नहीं है जिनसे वो अपनी पढ़ाई कर सके।
फिर मेरे पूछने पर कि क्या तुम्हारा मन नहीं करता है स्कूल जाने को। इस पर उसने कहा कि मन तो बहुत करता है कि मैं भी स्कूल जाकर पढ़ाई करूँ, लेकिन पैसे की कमी और घर की बुरी स्थिति के कारण मैं ऐसा नहीं कर सकता हूँ। घर में कमाने वाला कोई नहीं है, जो घर का खर्च चला सके। मैं पूरी तरह से हैरान था कि ऐसा इस समय में भी हो सकता है।

OR

मैं और मेरी लेखनी

आज अलमारी की सफाई करते हुए हमें वह लेखनी मिली जो मुझे मेरे पिताजी ने उस समय भेटस्वरूपी थी जब कक्षा 6 में मैंने कलम से लिखना शुरु किया था, कलम के हाथ में आते ही मुझे महसूस हुआ कि मानो मेरी लेखनी मुझसे कह रही कि मैं उसे भूल गई हो, आज मेरे पास रंग-बिरंगे तरह-तरह के कलम है, लेकिन इस लेखनी के आगे मुझे सब फीके-फीके लग रहे थे। उस लेखनी का जादू सिर पर चढ़कर बोल रहा था क्योंकि उसी लेखनी से परीक्षा देकर ही मन कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए थे। मैंने उसे हाथों के स्पर्श से सहलाया उसकी धूल पोंछी और दवात से स्याही निकाली और उसमें डाल दी, स्याही पड़ते ही मैने अपना गृहकार्य किया। आज उस कलम से लिखे हुए शब्द मुझे ऐसे प्रतीत हुए कि मानो मैंने उस कलम की नाराजगी दूर कर दी और वह फिर से मुस्कराने लगी। मुझे विश्वास हो गया कि मैं और मेरी लेखनी मिलकर फिर चमत्कार करेंगे और जीवन में नयी उपलब्धियाँ प्राप्त करेंगे।